सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-8 • 13 NOVEMBER TO 19 NOVEMBER 2026 • VOLUME 17 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

जब मंज़िल बड़ी हो, तो रास्ते की मुश्किलें छोटी लगने लगती हैं—बस कदम रुकने नहीं चाहिए।

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	28°	16°
शनिवार	28°	16°
रविवार	27°	13°
सोमवार	26°	11°
मंगलवार	26°	11°
बुधवार	26°	09°
वीरवार	25°	09°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार



केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में चर्चा के बाद उम्मीदवारों के नामों पर लगी मोहर

'आप' ने जारी की 31 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट

जालंधर उत्तर से वनीत धीर, सेंट्रल से नितिन कोहली व कैंट से दीपक बाली को मिली टिकट

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/जालंधर

आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गुरुवार को उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी। दूसरी लिस्ट में 31 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। आप ने पुराने कार्यकर्ताओं को टिकट दिया है। परमिंदर सिंह गोल्डी, गुरुमीत सिंह मीत हेयर, हरजोबन जीत सिंह रंधावा समेत कई पुराने कार्यकर्ताओं को दूसरी सूची में टिकटमिला है। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई पीएसी की मैराथन बैठक में सभी सदस्यों से चर्चा के बाद उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया गया। इससे पहले 31 अक्टूबर को पार्टी ने 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। अरविंद केजरीवाल ने सभी 31 उम्मीदवारों को बधाई दी है।

उधर, दिल्ली में पीएसी की बैठक खत्म होने के बाद सीएम भगवंत सिंह मान ने सभी उम्मीदवारों का बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर



जानकारी साझा करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी ने आगामी 2027 पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी द्वारा घोषित सभी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जनता की सच्ची आवाज़ बनेंगे और रंगला पंजाब (एक जीवंत और समृद्ध पंजाब) बनाने के हमारे मिशन को और मजबूत करेंगे। आम आदमी पार्टी जनता की अपनी पार्टी है और लोगों का प्यार व भरोसा ही हमारी असली ताकत है.। आइए, हम सब मिलकर एक नया इतिहास रचें।

दूसरी लिस्ट में शामिल 31 उम्मीदवारों के नाम

निर्वाचन क्षेत्र : उम्मीदवार नाम	
सुजानपुर : स्वर्ण एस. सलारिया	जालंधर सेंट्रल : नितिन कोहली
पठानकोट : रोहित स्याल	जालंधर उत्तर : वनीत धीर
गुरदासपुर : रमन बहल	जालंधर कैंट : दीपक बाली
दीनानगर : शमशेर सिंह	आदमपुर : पवन कुमार टीनू
कादियां : गुरइकबाल सिंह महल	मुकेरियां : सरबजोत सिंह साबी
फतेहगढ़ चूड़ियां : हरजोबनजीत सिंह रंधावा (जोबन रंधावा)	नवांशहर : रॉबी कांग
राजा सांसी : सोनिया मान	चमकौर साहिब : जसवीर सिंह गढ़ी
मजीठा : तलबीर सिंह गिल	खरड़ : परमिंदर सिंह गोल्डी
अमृतसर उत्तर : करमजीत सिंह रिंटू	दाखा : डॉ. केएनएस कंग
पट्टे : जसकंवर सिंह गिल (जस्सा पट्टी)	जगराओं : सरवजीत कौर मनुके
भोलत्थ : एडवोकेट हरसिमरन सिंह	अबोहर : डॉ. सुहानी डोडा
कपूरथला : दविंदर पाल सिंह रंगा	बल्लुआना : अमनदीप सिंह गोल्डी मुसाफिर
फगवाड़ा : डॉ. राज कुमार चब्बेवाल	लम्बी : रणधीर सिंह धीरा खुड्डियां
फिल्लौ : हरजोत कौर लोहटिया	बठिंडा ग्रामीण : गोपाल सिंह
शाहकोट : बलवीर सिंह पाला जलालपुर	बरनाला : गुरुमीत सिंह मीत हेयर
	शूतराना : वनिंदर कौर लूम्बा

पंजाब कांग्रेस ने शुरू की 'जवानी संभाल साइकिल यात्रा', चन्नी और पायलट ने मान सरकार को घेरा



चंडीगढ़. कांग्रेस की पंजाब इकाई ने 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले जनसंपर्क अभियान के तहत बृहस्पतिवार को अपनी जवानी संभाल साइकिल यात्रा शुरू की, जिसका नेतृत्व पार्टी सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने श्री चमकौर साहिब से किया। श्री चमकौर साहिब से यात्रा को रवाना किए जाने के मौके पर कांग्रेस महासचिव एवं पंजाब प्रभारी सचिन पायलट और पार्टी की प्रदेश इकाई के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। जालंधर से मौजूदा सांसद चन्नी पूर्व में श्री चमकौर साहिब विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष परगट सिंह, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और विजय इंदर सिंगला, राणा गुरजीत सिंह तथा सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद थे। आठ दिनों की यह यात्रा पहले चरण में 28 विधानसभा क्षेत्रों से होकर करीब 625 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इस मौके पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए सचिन पायलट ने नशे और भ्रष्टाचार समेत कई मुद्दों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा।

पायलट ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों के बाद पंजाब में कांग्रेस सत्ता में लौटेगी। वहीं, चन्नी ने कहा कि पंजाब के लोग आप को सत्ता से हटाने के लिए चुनाव का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने नशे, गैंगस्टर, अवैध खनन और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर मान के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा। पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस की प्रचार समिति के अध्यक्ष चन्नी ने कहा कि राज्य में कांग्रेस के पक्ष में लहर बन रही है और पार्टी सत्ता में आएगी। चन्नी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह यात्रा कांग्रेस के पंजाब मंगदा इंसाफ अभियान का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत बुधवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन से की गई थी।

आप कार्यकर्ताओं ने चन्नी की 'साइकिल यात्रा' को दिखाए काले झंडे दिखाए

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). आम आदमी पार्टी (आप) ने श्री चमकौर साहिब और समराला में कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी की 'जवानी संभाल यात्रा' का कड़ा विरोध किया। रैली के दौरान बड़ी संख्या में आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं को काले झंडे दिखाए और नारे लगाए। आप नेताओं ने स्पष्ट किया कि पार्टी ऑफिस में दलित नेता रणजीत सिंह तरखान माजरा पर हुए हमले पर चरणजीत चन्नी और दूसरे कांग्रेस नेता जानबूझकर चुप रहे हैं। कभी पंजाब के युवाओं को ड्रग्स में धकेलकर और उनकी जवानी बर्बाद करने वाले चन्नी अब 'जवानी संभाल यात्रा' का बड़ा ड्रामा कर रहे हैं, जिसका खुलासा इस विरोध से हुआ।

श्री चमकौर साहिब में हलका इंचार्ज जसवीर सिंह गढ़ी की अगुवाई में हुए विरोध प्रदर्शन में आप नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ नारे लगाए और रैली के दौरान काले झंडे दिखाए। जसवीर सिंह गढ़ी ने चरणजीत चन्नी पर कड़ा निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा दलितों और पिछड़े वर्गों को धकेला है। रणजीत सिंह तरखान माजरा को कांग्रेस भवन में पीटा गया लेकिन आज तक उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। 1 नवंबर को डिसिप्लिनरी कमिटी ने नोटिस जारी किया था, जो एक हफ़्ते पहले एक्सपायर हो गया है।

महादेव एप मामले में सौरभ चंद्राकर को 19 तक जेल भेजा

नई दिल्ली. महादेव बेटिंग ऐप मामले के कथित मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को रायपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। सीबीआई की एक विशेष अदालत ने उसे 19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह आदेश सीबीआई की आठ दिन की रिमांड पूरी होने के बाद आया है।

सीबीआई ने इस मामले में 18 दिसंबर 2024 को एफआईआर दर्ज की थी और छत्तीसगढ़ राज्य आर्थिक अपराध ब्यूरो से जांच अपने हाथ में ले ली थी। यह जांच छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचनाओं के बाद सीबीआई को सौंपी गई थी। प्रत्यर्पण के बाद, 1 नवंबर को चंद्राकर को ओमान से भारत वापस लाया गया। उसके खिलाफ इंटरपोल का 'रेड कॉर्नर नोटिस' जारी होने के बाद रॉयल ओमान पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया था। भारत लौटने पर सीबीआई ने उसे अपनी हिरासत में लिया और उसे रायपुर ले जाने के लिए दिल्ली की एक अदालत से दो दिन का ट्रांजिट रिमांड हासिल किया।

अटकलें लगाने के बजाय बिक्रम सिंह मजीठिया 2 सीधे सवालों के जवाब दें : हरभजन सिंह ईटीओ

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने पीसीएस मेन्स परीक्षा के नतीजों को लेकर की गई टिप्पणियों पर अकाली दल (बादल) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया पर पलटवार किया। उन्होंने मजीठिया को चुनौती दी कि वे अटकलें लगाने के बजाय पहले उनके बेटे हर्षजीत सिंह के परीक्षा परिणाम के दोनों संभावित पहलुओं पर अपना स्टैंड साफ करें।



सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बिक्रम सिंह मजीठिया की पोस्ट का जवाब देते हुए कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने पीसीएस नतीजों के बारे में स्पष्टीकरण मांगने के लिए अकाली नेता का धन्यवाद किया और कहा कि वे यकीनन उनके सवालों का जवाब देंगे। हालांकि, उन्होंने बिक्रम सिंह मजीठिया से कहा कि वे पहले यह बताएं कि अगर हर्षजीत सिंह ने पीसीएस मेन्स परीक्षा पास कर ली है, तो उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी, और इसके उलट, अगर सफल उम्मीदवारों की सूची में उसका नाम नहीं आता है, तो वे क्या कहेंगे। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, "मैं इस मामले के बारे में यकीनन स्थिति स्पष्ट करूंगा। लेकिन पहले कृपया यह साफ करें कि अगर मेरे बेटे हर्षजीत सिंह ने पीसीएस मेन्स परीक्षा पास कर ली है, तो आपका स्टैंड क्या होगा। और अगर पीसीएस मेन्स की सूची में उसका नाम नहीं आता है, तब आपके पास कहने के लिए क्या होगा? मुझे आपके जवाब का इंतजार रहेगा।"

कैबिनेट मंत्री का यह जवाब तब आया जब बिक्रम सिंह मजीठिया ने पीसीएस भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इस बात का स्पष्टीकरण मांगा था कि क्या उनका बेटा मेन्स परीक्षा के लिए योग्य पाए गए उम्मीदवारों में शामिल है।

केजरीवाल को जान से मारने की धमकी, हरपाल सिंह चीमा ने की निंदा



चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). आम आदमी पार्टी (आप) ने पार्टी के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की धमकी और 7 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग में भाजपा के संबंध की कड़ी निंदा की है। कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि शुरुआती जांच में इस बात के संकेत मिले हैं कि आरोपी के भाजपा से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से संबंध हैं। धमकी की निंदा करते हुए, आप पंजाब के नेताओं ने साफ किया कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और न तो आप नेता ऐसी धमकियों से डरेंगे और न ही लोगों के लिए काम करना बंद करेंगे। आप के सीनियर नेता और कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि धमकी देने वाला व्यक्ति हरियाणा का है और शुरुआती जांच में उसके भाजपा से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से संबंध सामने आए हैं।

पीएम मोदी कर्नाटक में शुरू करेंगे 15600 करोड़ रुपये की परियोजनाएं

बेंगलुरु. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को कर्नाटक के दौरे पर रहेंगे, जहां वह कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इनमें पिंक लाइन मेट्रो और वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत के साथ-साथ अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित चार रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन कार्यक्रम भी शामिल है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी नयी मेट्रो लाइन की सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे और तावरेकेरे से आईआईएम-बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन तक यात्रा करेंगे। वह बेंगलुरु में 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के साथ उनका उद्घाटन भी करेंगे और एक सभा को संबोधित करेंगे।



बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन को कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। मोदी कोप्पल-द्वितीय और गडग-द्वितीय में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के एकीकरण के लिए करीब 4,450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित पारेषण योजना का उद्घाटन भी करेंगे।

इसके अलावा, वह बीदर में सौर ऊर्जा क्षेत्र के लिए करीब 1,370 करोड़ रुपये की लागत से विकसित पारेषण योजना का भी उद्घाटन करेंगे।

राजनयिक होने का झूठा दावा कर नशीले पदार्थ की तस्करी के प्रयास में विदेशी महिला यात्री गिरफ्तार

जब्त किए गए कोकीन की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कई करोड़ रुपये आंकी गई कीमत

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय तस्करी करने वाले गिरोहों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिमी अफ्रीकी देश सिएरा लियोन से आई एक विदेशी महिला यात्री को रोककर उसके कब्ज़े से 22 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। जब्त किए गए कोकीन की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कई करोड़ रुपये कीमत आंकी गई है। राजस्व खुफिया निदेशालय की इस कार्रवाई में तस्करी के सुनियोजित और दुस्साहसपूर्ण तरीके का खुलासा हुआ जिसमें हवाई अड्डे की सुरक्षा जांच से बचने के लिए फर्जी राजनयिक दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया।

गिरफ्तार की गई महिला यात्री ने खुद



को राजनयिक कूरियर बताया और उसके पास एक बड़ा ब्रीफकेस जैसा बॉक्स था, जिस पर राजनयिक डाक-डिप्लोमैटिक मेल और बिना अनुमति न खोलें जैसे निशान अंकित थे। महिला ने कुछ ऐसे दस्तावेज भी पेश किए, जो पहली नज़र में ही जाली लगे। इन दस्तावेजों में दावा किया गया था कि यह सामान संयुक्त राष्ट्र के एक राजनयिक कूरियर का है। प्रत्यक्ष तौर पर इन दस्तावेजों का इस्तेमाल जांच से बचने के लिए किया गया था। डीआरआई अधिकारियों ने विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए निर्धारित प्रक्रिया अनुसार ब्रीफकेस की गहन जांच की जिसमें प्लास्टिक की कई परतों में छिपाए गए 22 पैकेट बरामद हुए। इन पैकेट से बरामद सफेद रंग के ईंट के आकार के पदार्थ की मौके पर जांच की गई जिसमें इसके कोकीन होने की पुष्टि हुई। कोकीन के सभी 22 पैकेट स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिए गए। महिला यात्री को भी एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार कर सक्षम न्यायालय में पेश किया गया।

राजस्व खुफिया निदेशालय, विशेष सूचना के आधार पर प्रभावी कदम उठाते हुए तस्करी के नए तरीकों का पर्दाफाश करने और अवैध कार्यों के लिए संस्थागत विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोहों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

डीआरआई ने चेन्नई बंदरगाह पर तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया

7.72 करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 13,000 किलोग्राम लाल चंदन जब्त किया, तीन लोग गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

चेन्नई स्थित एक गिरोह द्वारा लाल चंदन की लकड़ियों की मलेशिया में तस्करी करने के प्रयास की विशेष खुफिया जानकारी मिलने पर राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने 9 से 11 नवंबर, 2026 के दौरान चेन्नई बंदरगाह पर एक निर्यात कंटेनर को जहाज में लादे जाने से पहले ही रोक लिया। 'पेपर लैमिनेट रोल' घोषित किए गए इस कंटेनर की 9-10 नवंबर, 2026 को विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान इसमें घोषित माल की थोड़ी मात्रा और बजरी के पत्थरों के साथ छिपाकर रखी गई उच्च गुणवत्ता वाली लाल चंदन की 12.87 मीट्रिक टन लकड़ियां बरामद हुईं, जिनका मूल्य लगभग 7.72 करोड़ रुपये है। लाल चंदन की लकड़ियों और उन्हें छिपाने के लिए इस्तेमाल किए गए अन्य माल को सीमा



शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि इस गिरोह ने निर्माता-निर्यातक को उपलब्ध कंटेनर की स्वयं सील लगाने की सुविधा का दुरुपयोग किया था। गिरोह ने निर्यातक के माध्यम से निर्यात के लिए माल की खेप तैयार करवाई और कंटेनर को एक निजी गोदाम में ले जाकर उसमें घोषित पेपर लैमिनेट रोल की जगह लाल चंदन की लकड़ियां भर दीं। इसके बाद कंटेनर को निर्यात के लिए भेज दिया गया।

इसके बाद गोदाम की तलाशी लेने पर वहां घोषित मूल माल, एक औद्योगिक वजन मशीन और लाल चंदन के अवशेष बरामद हुए। इनसे तस्करी के तरीके के बारे में और सबूत मिले।

इस तस्करी में शामिल गिरोह के तीन प्रमुख सदस्यों को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

लाल चंदन (टेरोकार्पस सैंटालिनस) एक संरक्षित प्रजाति है। इसे अंतरराष्ट्रीय वन्य जीव और वनस्पति लुप्तप्राय प्रजाति व्यापार कन्वेंशन (सीआईटीईएस) के परिशिष्ट-II और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-IV में शामिल किया गया है। भारत की विदेश व्यापार नीति के तहत इसके निर्यात पर प्रतिबंध है।

क्या है डार्क टूरिज्म का नया ट्रेंड और क्यों बढ़ रहा है इसका क्रेज?

Travelling स्टेकेशन और लग्जरी वेकेशन के दौर में डार्क टूरिज्म का ट्रेंड लगातार बढ़ रहा है। ये एक ऐसा ट्रैवल एक्सपीरियंस है जिसमें लोग सिर्फ घूमने नहीं जाते, बल्कि पूरी दुनिया को झकझोर देने वाली घटनाओं की कहानियां जानने के लिए जाते हैं।



• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

घूमने फिरने की बात आती है तो अधिकतर भारतीय लोग बीच डेस्टिनेशन या फिर पहाड़ों पर जाना पसंद करते हैं। वहीं घूमने-फिरने का शौक रखने वाले लोग खूबसूरत पहाड़ों, समुद्र के किनारों, ऐतिहासिक इमारतों और लग्जरी होटलों में छुट्टियां बिताना पसंद करते हैं। लेकिन अब ट्रैवल की दुनिया में एक ऐसा ट्रेंड भी चर्चा में है, जिसमें लोग खूबसूरत नजारों के बजाय डरावनी, रहस्यमयी और दर्दनाक इतिहास से जुड़ी जगहों पर जाना पसंद करते हैं। ट्रैवलर्स ऐसी जगहों को आजकल घूमने जा रहे हैं जहां किसी का कत्ल हुआ हो या कहीं सामूहिक नरसंहार हुआ हो या फिर कोई ऐसी जगह हो जो किसी बड़ी त्रासदी की गवाह रही हो। ऐसी जगहों को देखने और उनके इतिहास को करीब से जानने के इस ट्रेंड को डार्क टूरिज्म नाम दिया गया है। स्टेकेशन और लग्जरी वेकेशन के दौर में डार्क टूरिज्म एक अलग तरह का ट्रैवल एक्सपीरियंस है। जिसमें लोग सिर्फ घूमने नहीं जाते, बल्कि उन घटनाओं के पीछे की सच्चाई, इतिहास और कहानियों को समझने की कोशिश करते हैं, जिन्होंने कभी पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। आइए, समझते हैं क्या है डार्क ट्यूरिज्म और इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है।

क्या होता है डार्क टूरिज्म?

डार्क टूरिज्म ट्रेवल का एक ऐसा टाइप है, जिसमें लोग उन जगहों पर घूमने जाते हैं जो मौत, हत्या, लड़ाई, प्राकृतिक आपदा, दुर्घटना या किसी दुखद ऐतिहासिक घटना से जुड़ी होती हैं। इस ट्यूरिज्म के लिए ऐसी जगहों को चुना जाता है, जहां कभी सामूहिक हत्याएं हुई हों या जहां किसी कुख्यात अपराध को अंजाम दिया गया हो या फिर जहां किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा ने भारी तबाही मचाई हो। इस टूरिज्म का मतलब केवल डरावनी या भूतिया जगहों पर जाना नहीं है। कई लोग ऐसी जगहों पर इतिहास को समझने, उनके बारे में बात करने और अतीत की गलतियों से सबक लेने के लिए भी जाते हैं।

आखिर क्यों बढ़ रहा है डार्क टूरिज्म का क्रेज?

डार्क टूरिज्म को लेकर लोगों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है और इसके पीछे कई वजह हो सकती हैं। आज के दौर ट्रेडिशन ट्रैवल प्लान की जगह लोग कुछ अलग और अनोखा अनुभव करना चाहते हैं। उन्हें ऐसी जगहों के बारे में जानना अच्छा लगता है, जिनका इतिहास रहस्यमयी या चौंकाने वाला रहा हो। कुछ लोग रहस्यमयी घटनाओं को जानने की एक्साइटमेंट में डार्क ट्यूरिज्स का एक्सपीरियंस करते हैं। तो वहीं कुछ लोग इतिहास को करीब से समझने के लिए ऐसा करते हैं। जो लोग डार्क ट्यूरिज्म एक्सपीरियंस करते हैं उन लोगों का मानना है कि किताबों और डॉक्यूमेंट्री में किसी घटना के बारे में पढ़ना अलग बात है, लेकिन उस जगह पर जाकर उसे महसूस करना एक अलग अनुभव होता है। इसके अलावा एक कारण सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, वेब सीरीज और डॉक्यूमेंट्री में क्राइम और रहस्यमयी घटनाओं से जुड़ी कहानियों की पॉपूलैरिटी भी हो सकता है। कई लोग उन जगहों को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं, जिनके बारे में उन्होंने फिल्मों या डॉक्यूमेंट्री में देखा-सुना होता है।

ग्लोबली बढ़ रहा है क्रेज

इंडियन ग्लोबर रिव्यू में द पल्की शर्मा शो में बताया गया कि सोशल मीडिया के इंफ्लूएंस यानी जब किसी व्यक्ति का डार्क ट्यूरिज्म का एक्सपीरियंस सोशल मीडिया पर वायरल होता है तो उसके बाद और लोगों में ऐसा करने की इच्छा बढ़ती है। शो में बताया गया कि डार्क ट्यूरिज्म इंडस्ट्री ग्लोबली अब 35 बिलियन डॉलर की है और 2036 तक ये 46 बिलियन डॉलर की हो सकती है।

STORY

बंदर और मगरमच्छ की पूरी कहानी पढ़ें, पंचतंत्र की कथा से सीखें मुश्किल वक्त में समझदारी का महत्व

पंचतंत्र की कहानियां आपने खूब पढ़ी होंगी और बंदर-मगरमच्छ की कहानी भी सुनी होगी। आज हम वही कहानी आपको विस्तार से सुनाने जा रहे हैं और जानेंगे कि इससे हमें क्या सीख मिलती है।



• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

पंचतंत्र की कहानियां सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि इनमें जीवन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण सीख भी छिपी होती हैं। ऐसी ही एक रोचक कहानी है 'बंदर और मगरमच्छ' की, जो दोस्ती, विश्वास और समझदारी के महत्व को बताती है।

इस कहानी में एक बंदर अपनी सूझबूझ से न सिर्फ मगरमच्छ की चाल को समझता है, बल्कि मुश्किल परिस्थिति में अपनी जान बचाने में भी सफल होता है। आइये आज पंचतंत्र की कहानियों वाली सीरीज में बंदर-मगरमच्छ की पूरी कथा पढ़ते हैं।

बंदर-मगरमच्छ की पूरी कहानी पढ़ें-

बहुत समय पहले की बात है। एक घने जंगल के पास नदी किनारे जामुन का एक बड़ा पेड़ था। उस पेड़ पर एक बंदर रहता था। पेड़ पर मीठे और रसीले जामुन लगते थे, जिन्हें खाकर बंदर बहुत खुश रहता था। एक दिन नदी में रहने वाला एक मगरमच्छ पेड़ के पास आया। बंदर ने उसे देखा तो प्यार से कुछ मीठे जामुन तोड़कर नीचे फेंक दिए। मगरमच्छ ने जामुन खाए तो उसे उनका स्वाद बहुत पसंद आया। धीरे-धीरे दोनों में दोस्ती हो गई।

अब मगरमच्छ रोज बंदर से मिलने आने लगा। बंदर उसे रोज मीठे जामुन खिलाता और दोनों खूब बातें करते। एक दिन मगरमच्छ कुछ जामुन अपनी पत्नी के लिए भी ले गया। जामुन खाकर मगरमच्छ की पत्नी बहुत खुश हुई, लेकिन उसके मन में एक लालच आ गया। उसने सोचा, "जो बंदर रोज इतने मीठे फल खाता है, उसका दिल कितना मीठा होगा! मुझे उसका दिल खाना है।"

उसने मगरमच्छ से बंदर का दिल लाने की जिद पकड़ ली। मगरमच्छ ने उसे समझाया कि बंदर उसका अच्छा दोस्त है, लेकिन पत्नी अपनी जिद पर अड़ी रही। आखिरकार मगरमच्छ को उसकी बात माननी पड़ी। अगले दिन मगरमच्छ बंदर के पास पहुंचा और बोला, "मित्र! मेरी पत्नी तुम्हारे बारे में बहुत सुनती है। वह तुमसे मिलना चाहती है। आज तुम्हें हमारे घर चलना होगा।"

बंदर ने कहा, "लेकिन मैं तो पेड़ पर रहता हूं और तैरना भी नहीं जानता। नदी कैसे पार करूंगा?" मगरमच्छ बोला, "तुम मेरी पीठ पर बैठ जाओ, मैं तुम्हें सुरक्षित अपने घर पहुंचा दूंगा।" बंदर उसकी पीठ पर बैठ गया। नदी के बीच पहुंचते ही मगरमच्छ ने असली बात बता दी। उसने कहा, "मित्र, मुझे माफ करना। मेरी पत्नी तुम्हारा दिल खाना चाहती है। इसलिए मैं तुम्हें अपने साथ ले जा रहा हूं।"

बंदर घबरा गया, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। तुरंत दिमाग लगाया और बोला, "अरे मित्र! तुमने यह बात पहले क्यों नहीं बताई? मैं तो अपना दिल पेड़ पर ही छोड़ आया हूं। अगर तुम्हें मेरा दिल चाहिए तो वापस चलो, मैं तुम्हें अपना दिल दे दूंगा।"

मूर्ख मगरमच्छ उसकी बातों में आ गया और वापस पेड़ के पास पहुंच गया। जैसे ही वे किनारे पहुंचे, बंदर फुर्ती से पेड़ पर चढ़ गया और बोला, "मित्र! कोई अपना दिल शरीर से अलग रखता है क्या? तुमने दोस्ती के नाम पर मुझे धोखा दिया। अब कभी मुझसे मिलने मत आना।"

कहानी से क्या सीख मिलती है-

मुसीबत कितनी भी बड़ी क्यों न हो, मुश्किल समय में घबराने के बजाय समझदारी और सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अगर आप किसी ऐसी परिस्थिती में फंस जाते हैं, तो अपने दिमाग का इस्तेमाल करें। ऐसा नहीं है कि दोस्ती करना बुरी बात है लेकिन कुछ लोगों पर आंख बंद करके भरोसा करना गलत है।

घर में बने गुलाब जामुन फट जाते हैं? हलवाई से सीख लें फ्राई करने की सही ट्रिक

घर में जब भी गुलाब जामुन बनाती हैं तो वो फट जाते हैं, दरअसल केवल मावे का आटा बनाते समय ही ध्यान नहीं रखना होता बल्कि इसे तलने की भी ट्रिक होती है। जिसे हलवाई ने शेयर किया है।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी



नर्म-मुलायम और गर्मागर्म गुलाब जामुन का स्वाद तो मीठा पसंद करने वाले की जुबान से नीचे नहीं उतरता। त्योहार के मौके पर काफी सारी लेडीज घर में ही गुलाब जामुन बनाने की सोचती हैं। लेकिन कई बार ये उतने अच्छे नहीं बनते जैसे हलवाई के होते हैं। मावा में मैदे की मिलावट की जाए तो भले ही वो फटे नहीं लेकिन उनका स्वाद उतना टेस्टी नहीं लगता। और, जब इसमे मैदा कम डाला जाए तो ये चाशनी में जाकर फट जाते हैं।

या कई बार तो तेल में ही फटना शुरू कर देते हैं। ऐसे में समझ नहीं आता कि कौन सी ट्रिक ट्राई करें। दरअसल, गुलाब जामुन को बनाने के लिए जितना परफेक्ट उसका आटा होना चाहिए उतनी ही फरफेक्ट तेल की सिंकाई होनी चाहिए। सहीं आंच होने पर ही गुलाब जामुन सही तरीके से पकते हैं और चाशनी सोखते हैं। तो गुलाब जामुन को तलने की ट्रिक हलवाई ने शेयर की है। जिसे आपको भी फॉलो करना चाहिए।

- हलवाई ने बताई गुलाब जामुन को सही तरीके से फ्राई करने की ट्रिक
- गुलाब जामुन को जब भी फ्राई करना हो तो तेल को ज्यादा गर्म नहीं होना चाहिए।
- आंच इतनी ही तेल में लगी हो कि पानी के हल्के छींटे मारने पर तेल उड़े नहीं। तो हलवाई ने बताया कि तेल का टेंपरेचर चेक करने का तरीका है कि बहुत ही हल्के हाथ से पानी के हल्के छींटे तेल पर दिए जाएं। तेल ज्यादा गर्म नहीं होगा और तेल उड़ेगा नहीं।
- तभी इस तेल में गुलाब जामुन के दो से चार पीस डाल दें।
- फिर तेल को पूरा हिलाएं और हल्की गर्माहट से गुलाब जामुन ऊपर आने लगेंगे।
- अब आप इसमे पूरा एक बैच गुलाब जामुन का डाल दें। और गैस की फ्लेम को बिल्कुल धीमा रखें और तेल को हिलाते रहें।
- तेल हिलाते रहने से टेंपरेचर चारों तरफ एक समान होगा और सारे गुलाब जामुन साथ में पकेंगे।
- ध्यान रखें कि गुलाब जामुन के ऊपर की स्किन टाइट ना होने पाए।
- हल्के सुनहरे रंग के होने पर तेल का टेंपरेचर एक बार फिर से बैलेंस करने के लिए फिर से हल्के से पानी के छींटे मारें। इससे तेल का तापमान कम होने लगेगा और सारे गुलाब जामुन अंदर तक पक पाएंगे और ऊपर से उनकी स्किन टाइट नहीं होगी।
- तलने से पहले गुलाब जामुन को गीले कपड़ों से अच्छी तरह से ढंककर रखें। जिससे कि इनकी ऊपरी स्किन बिल्कुल सॉफ्ट बनी रहे और पकते समय ये टाइट ना हो जाएं।
- अगर गुलाब जामुन ऊपर से टाइट हो जाएंगे तो चाशनी में जाने पर फट जाएंगे और सारा गुलाब जामुन बैठ जाएगा।
- नर्म, चाशनी से भरे गुलाब जामुन चाहिए तो आटा बनाने के साथ ही उसको तलते समय भी ध्यान रखना चाहिए।

देर रात तक जागता है बच्चा? जल्दी सुलाने के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स

जालंधर ब्रीज (फीचर) . कई बच्चे दिन में सो जाते हैं और फिर रात में 1-2 बजे तक जागते रहते हैं। ऐसे में स्कूल जाने वाले बच्चों को सुबह उठाना पेरेंट्स के लिए बड़ा टास्क होता है। बच्चों की नींद अधूरी रहती है, फिर वह दिनभर चिड़चिड़ करते रहते हैं। अगर आपका बच्चा भी रात में देर से सोता है और सुबह उठने में नखरे लेता है, तो उसे जल्दी सुलाने के लिए कुछ तरीके अपना सकते हैं।



1. सोने का समय रोज एक जैसा रखें : बच्चे को रोज अलग-अलग समय पर सुलाने से उसकी नींद का रूटीन बिगड़ सकता है। कोशिश करें कि बच्चे के सोने और सुबह उठने का समय लगभग तय रहे। छुट्टी वाले दिन भी इस रूटीन में बहुत ज्यादा बदलाव न करें। धीरे-धीरे बच्चे के शरीर को एक तय समय पर नींद आने की आदत हो सकती है।

2. सोने से पहले मोबाइल और टीवी बंद कर दें : कई बच्चे सोने से ठीक पहले मोबाइल, टीवी या टैबलेट देखते हैं। इससे उनका दिमाग एक्टिव रहता है और उन्हें जल्दी नींद आने में परेशानी हो सकती है। इसलिए सोने से कुछ समय पहले स्क्रीन बंद करने की आदत डालें। अगर बच्चा मोबाइल मांगता है तो उसकी जगह कहानी सुनाना, किताब पढ़ना जैसी एक्टिविटीज में लगाएं।

3. दिन में फिजिकल एक्टिविटी में लगाएं : अगर बच्चा दिनभर ज्यादा एक्टिव नहीं रहता है तो रात में उसे जल्दी नींद आने में परेशानी हो सकती है। दिन में उम्र के अनुसार उसे खेलने, दौड़ने या बाहर समय बिताने का मौका दें। हालांकि, सोने से ठीक पहले बहुत ज्यादा तेज या उत्साह बढ़ाने वाली एक्टिविटिज कराने से बचें।

4. कमरे का माहौल कंफर्ट बनाएं : बच्चे के सोने की जगह शांत और आरामदायक होनी चाहिए। सोने से पहले कमरे में बहुत तेज रोशनी या शोर न हो। कमरे की लाइट थोड़ी कम करने से भी बच्चे को आराम महसूस हो सकता है। बच्चे को म्यूजिक सुनकर सोना पसंद है, तो लोरी गाकर या हल्का गाना चलाकर सुलाएं।

5. शाम के बाद कैफीन वाली चीजें न दें : बच्चों को शाम या रात में चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक या दूसरी कैफीन वाली चीजें देने से बचना चाहिए। इसके अलावा टॉफी चॉकलेट भी न खिलाएं। अगर बच्चा रात में कुछ खाने-पीने की मांग करता है तो उसकी उम्र और जरूरत के हिसाब से हल्की चीजें खिलाएं जैसे खिचड़ी, रोटी-सब्जी, दाल चावल।

सुलाने के चक्कर में न करें ये काम : अगर बच्चा तुरंत सो नहीं रहा है तो उसे डांटने या मारने की गलती न करें। कमरे का माहौल शांत रखें और बच्चे को धीरे-धीरे रिलैक्स होने दें और माता-पिता भी फोन किनारे रखकर सोने के लिए लेट जाएं। जब बच्चे देखता है कि पेरेंट्स सो रहे हैं, तो वह भी सोने लगता है।

सर्दियों का खजाना हैं ये 5 सब्जियां, कैंसर से बचाने में करती हैं मदद!

Health सर्दियों में मिलने वाली कुछ खास सब्जियां ऐसी हैं, जिनमें कैंसर से लड़ने वाले खास गुण पाए जाते हैं। न्यूट्रीशनिस्ट ने ऐसी ही 5 सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करने की सलाह दी है। ये सब्जियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर



सर्दियों का मौसम शुरू होते ही बाजार में हरी और रंग-बिरंगी सब्जियों का ढेर लग जाता है। बथुआ, मेथी, पालक जैसी हरी सब्जियां इन दिनों खूब खाई जाती हैं, वहीं गाजर, मटर, कद्दू और आंवला भी बाजार में आने लगते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सर्दियों में कुछ ऐसी खास सब्जियां भी आती हैं, जिनमें कैंसर से लड़ने वाले खास गुण पाए जाते हैं? जी हां, एंटीऑक्सिडेंट्स और दूसरे बायोएक्टिव कंपाउंड्स से भरपूर ये सब्जियां कैंसर के रिस्क को कम करने के साथ-साथ शरीर से टॉक्सिन्स रिमूव करने का करती हैं। जानी-मानी न्यूट्रीशनिस्ट ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए ऐसी ही 5 सर्दियों की खास सब्जियों के बारे में बताया है। अब सर्दियां शुरू होने की वाली हैं, तो इन्हें अपनी और अपने परिवार की डाइट में जरूर शामिल करें।

काली गाजर को बनाएं डाइट का हिस्सा

सर्दियों में आने वाली खास सब्जियों में से एक है काली गाजर। न्यूट्रीशनिस्ट बताती हैं कि इसमें एंथोसायनिन नाम का एक शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो इसे इसका गहरा बैंगनी रंग देता है। ये एंटीऑक्सीडेंट शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है, साथ ही अपने एंटी इंफ्लेमेटरी के गुणों के चलते कैंसर से बचाव में भी मदद करता है।

पोषक तत्वों से भरपूर है शकरकंद

सर्दियों में मिलने वाली शकरकंद सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, पोषक तत्वों से भरपूर भी होती है। इसमें बीटा कैरोटीन, फाइबर और विटामिन सी जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। वहीं इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और कुछ बायोएक्टिव कंपाउंड्स भी मौजूद होते हैं, जो कैंसर का खतरा कम करने में भूमिका निभाते हैं। न्यूट्रीशनिस्ट सलाह देती हैं कि आप रोज शाम के स्नैक में शकरकंद की चाट बनाकर खा सकते हैं।

सर्दियों की खास मोटी लाल मिर्च

सर्दियों में मिलने वाली मोटी लाल मिर्च का इस्तेमाल अक्सर अचार बनाने में किया जाता है। इसमें कैप्साइसिन नाम का प्राकृतिक कंपाउंड पाया जाता है, साथ ही कैरोटीनॉयड और विटामिन c भी मौजूद होते हैं। इनके एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण कैंसर से बचाव में प्रभावी हो सकते हैं।

कद्दू का सूप बनाकर पीएं

न्यूट्रीशनिस्ट कहती हैं कि सर्दियों में कद्दू का सूप या सब्जी बनाकर खाना काफी फायदेमंद है। कद्दू में बीटा कैरोटीन मौजूद होता है, जो इसे नारंगी रंग देता है। इसके अलावा कद्दू में ल्यूटिन, जेक्सैंथिन और दूसरे कैरोटीनॉयड भी पाए जाते हैं, जो अपने एंटीऑक्सीडेंट्स गुणों के लिए जाने जाते हैं। ये शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में भूमिका निभाते हैं।

बथुआ का साग खाएं

सर्दियों में मिलने वाला बथुआ पोषक तत्वों से भरपूर होता है। न्यूट्रीशनिस्ट बताती हैं कि इसके हरे पत्तों में क्लोरोफिल भर-भर के होता है। साथ ही इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, फोलेट और कई तरह के पॉलीफेनोल्स पाए जाते हैं। आप हफ्ते में 3 बार बथुआ का साग बनाकर खा सकते हैं। न्यूट्रीशनिस्ट कहती हैं कि ये शरीर में जमा टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करता है।

नोट- यह खबर सामान्य जानकारियों पर आधारित है। किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ से उचित सलाह लें।

आडवाणी जीः एक शताब्दी की ओर बढ़ती प्रेरणादायी यात्रा

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

8 नवंबर को लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष मंत प्रवेश किया। ये कितना सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं।

ये अवसर मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत भावुक कर देने वाला है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी जी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं।

सार्वजनिक जीवन में काम करते हुए कई दशक पहले मुझे उनके संपर्क में आने का अवसर मिला था। धीरे-धीरे हमारा ये संबंध इतना आत्मीय हो गया कि वे मेरे लिए अभिभावक की तरह बन गए। उन्होंने मेरा हाथ थामकर मुझे राजनीति की बारीकियां सिखाईं, कदम-कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। जीवन में जब भी कोई कठिन परिस्थिति आई, उनका अनुभव और उनकी सीख मेरे लिए संबल बने। उनकी वैचारिक स्पष्टता, उनका आत्मविश्वास और अपने सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया।

जब मैं उनसे मिलने जाता हूं, तो उनके साथ बिताया हुआ समय मुझे नई ऊर्जा और नई प्रेरणा से भर देता है। आज इस अवसर पर श्रद्धेय आडवाणी जी के लिए मन में एक ही भाव उमड़ रहा है...

"जीवेत शरदः शतं, पश्येम शरदः शतं, शृणुयाम शरदः शतं।"

ऐसे व्यक्तित्व बहुत कम हैं, जिनके जीवन में आधुनिक भारत के इतिहास के इतने सारे अध्याय समाए हों। आडवाणी जी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को देव दीपावली के दिन हुआ था। 1947 में, जब वे युवा थे, तब उन्हें विभाजन की पीड़ा सहनी पड़ी। सिंध में अपना घर, अपना परिवेश, अपनी जानी-पहचानी दुनिया छोड़कर उन्हें आना पड़ा। सब कुछ पीछे छूट गया और जीवन की नई शुरुआत शून्य से करनी पड़ी। लेकिन इस कठिन अनुभव को लेकर उनके मन में कभी कोई कड़वाहट या पछतावा नहीं रहा।

कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न हों, नए सिरे से कुछ खड़ा करने का उनका ये संकल्प जीवनभर उनके साथ रहा। जनसंघ को मजबूत बनाने और बाद में भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में भी उनका यही गुण सामने आया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल में देश की राजनीति ने बड़े बदलाव देखे। 1989 में कांग्रेस की सीटें 400 से घटकर 200 से भी नीचे आ गईं। 1996 में भाजपा पहली बार देश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। आडवाणी जी ने कार्यकर्ताओं की अनेक पीढ़ियों को तैयार किया। उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर पार्टी की मजबूत नींव रखी।

यहां मैं आडवाणी जी के व्यक्तित्व की दो ऐसी विशेषताओं का उल्लेख करना चाहूंगा, जो एक नेता के रूप में उन्हें अलग पहचान देती हैं। पहली है, उनकी वैचारिक स्पष्टता और बौद्धिक प्रखरता। उनके भाषणों और लेखन में इसकी झलक साफ दिखाई देती थी। जनसंघ और भाजपा









के लिए उन्होंने जो प्रस्ताव लिखे, वे आज भी पढ़ने और समझने योग्य हैं। उनके इंटरव्यू में भी विचारों की गहराई के साथ शब्दों की स्पष्टता और सटीकता दिखाई देती थी। दूसरी विशेषता थी, भारतीय राजनीति में लंबे समय तक हावी रही छद्म धर्मनिरपेक्षता को लेकर उनका स्पष्ट और निर्भीक रुख। उन्होंने देश के राजनीतिक विमर्श में इस प्रवृत्ति की वास्तविकता को उजागर किया।

आडवाणी जी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा और लगन से निभाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने सबसे पहले राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया। इसके बाद वे दिल्ली आए, जहां उन्हें अटल जी के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। इसके बाद की कहानी तो इतिहास का हिस्सा बन चुकी है। दोनों ने दशकों तक कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। आडवाणी जी के लिए अटल जी हमेशा उनके नेता और मार्गदर्शक रहे।

राजनीति के इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं, जब दो बड़े कद के नेता इतने लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हों। अक्सर समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं, महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं और साथ चलने वाले नेता भी अलग-अलग रास्तों पर निकल जाते हैं। लेकिन अटल जी और आडवाणी जी का साथ अपने आप में एक अनूठी मिसाल है। इतिहास साक्षी है, पांच-छह दशकों की इस लंबी यात्रा में दोनों एक-दूसरे के सहयोगी बने रहे। एक-दूसरे के प्रति उनका विश्वास और सम्मान हमेशा बना रहा। अटल जी के जीवन के अंतिम समय तक ये साथ कायम रहा। भारतीय राजनीति में आपसी विश्वास, सहयोग और समर्पण की ये परंपरा आज भी एक बड़ी प्रेरणा है।

आडवाणी जी जब दिल्ली आए थे, तब ये शहर विभाजन की विभीषिका से उबरने का प्रयास कर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने जनसंघ को मजबूत बनाने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। 1967 में वे दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष बने। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय विजय कुमार मल्होत्रा जी के साथ मिलकर काम किया, जो मुख्य कार्यकारी पार्षद बने थे।

एक सांसद के रूप में आडवाणी जी की यात्रा 1970 के दशक से शुरू हुई। संसद में उनकी सक्रिय भागीदारी की आज भी सराहना होती है। एक सांसद के रूप में, दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के रूप में और सत्ता पक्ष में रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। संसदीय जिम्मेदारियों में व्यस्त रहने के बावजूद वे लगातार देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते रहे, लोगों से मिलते रहे और उनसे संवाद करते रहे।

1991 के लोकसभा चुनाव की स्मृतियां आज भी मेरे मन में ताजा हैं। उस समय तय हुआ था कि आडवाणी जी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। इनमें से एक सीट गांधीनगर की थी। आडवाणी जी का गुजरात से बहुत पुराना नाता रहा है। विभाजन के बाद उनके पिताजी कच्छ में आकर बसे थे। 1976 में, जब देश में आपातकाल अपने चरम पर था, तब आडवाणी जी गुजरात से राज्यसभा सांसद भी बने थे। इस तरह 1991 में गांधीनगर से चुनाव लड़ना उनके लिए एक तरह से घर वापसी जैसा था।

उस समय मैं भाजपा के संगठन में काम कर रहा था। मुझे आडवाणी जी के नामांकन पत्र तैयार करने से लेकर पूरे चुनाव अभियान में उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला। गांधीनगर की जनता ने भी उन्हें बार-बार बड़े बहुमत से विजयी बनाकर संसद भेजा। मेरे लिए ये भी बहुत सौभाग्य की बात रही कि गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र का मतदाता होने के नाते मुझे अनेक बार आडवाणी जी को अपना वोट देने का अवसर मिला। अपने संसदीय क्षेत्र और वहां के लोगों के प्रति उनका लगाव, उनकी चिंता और उनकी जरूरतों का ध्यान रखने का उनका भाव, हम सभी के लिए सीखने योग्य है।

आपातकाल आडवाणी जी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उस दौर में वे लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के संघर्ष में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे। आपातकाल के दौरान उन्होंने जो कुछ देखा, अनुभव किया और महसूस किया, उसकी झलक उनकी पुस्तक 'A Prisoner's Scrap-Book' में भी मिलती है। इस पुस्तक का एक हिस्सा है-'A Tale of Two Emergencies'। इसमें उन्होंने जून 1975 से भारत में शुरू हुई घटनाओं और 1933 में हिटलर के शासन के दौरान जर्मनी में हुई घटनाओं के बीच आश्चर्यजनक समानताओं का बहुत प्रभावी ढंग से वर्णन किया है।

आडवाणी जी विपक्ष में जितने प्रखर नेता रहे, प्रशासन में भी उतने ही कुशल साबित हुए। 1977 में जब जनता सरकार बनी, तो उन्हें सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली। इस मंत्रालय में उनके कार्यकाल को आज भी विशेष रूप से प्रभावशाली माना जाता है। बाद में उप प्रधानमंत्री और देश में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्रियों में से एक के रूप में उन्होंने भारत की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डीएलसी अभियान 5.0: पांच दिनों में 40 लाख प्रमाणपत्र जारी, चेहरा प्रमाणीकरण 80% बढ़ा

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली



केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधान मंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान 5.0 लॉन्च किया, जिसके पहले पांच दिनों में लगभग 40 लाख डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाए गए। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान लगभग 25 लाख थे, जिसमें 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इसी अवधि के दौरान चेहरा प्रमाणीकरण अपनाने की दर 61 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 80 प्रतिशत हो गई है, जो प्रौद्योगिकी-सक्षम पेंशन सेवाओं में पेंशनभोगियों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया दर्शाती है कि कैसे डिजिटल नवाचार पेंशनभोगियों के जीवन को आसान बना रहा है और साथ ही बुजुर्ग नागरिकों के लिए शासन को अधिक सुलभ, सुविधाजनक और सम्मानजनक बना रहा है।

राष्ट्रीय मीडिया केंद्र, नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह अभियान धीरे-धीरे एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है, जो सरकारी विभागों, पेंशन वितरण बैंकों, पेंशनभोगी संघों और परिवारों को निर्बाध पेंशन-संबंधी सेवाओं की सुविधा के लिए एक साथ लाता है।

इस कार्यक्रम में पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग की सचिव सुश्री निवेदिता शुक्ला वर्मा ने भाग लिया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ, श्री सतीश कुमार, सचिव, डाक विभाग, श्री सुब्रत दास, रक्षा लेखा महानियंत्रक, सुश्री अलका नांगिया अरोड़ा, संचार लेखा महानियंत्रक, सुश्री वंदना गुप्ता, सीईओ, यूआईडीएआई, श्री सौरभ विजय और अतिरिक्त महानिदेशक, पीआईबी, श्री नंद किशोर रेड्डी, अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अभियान का मूल उद्देश्य वृद्ध नागरिकों के लिए जीवनयापन में आसानी सुनिश्चित करना है, उन्होंने कहा कि भारत का बदलता जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य पेंशनभोगियों को समाज का एक महत्वपूर्ण वर्ग बनाता है। लगभग 50 लाख कार्यरत कर्मचारियों के मुकाबले केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों की संख्या अब लगभग 70 लाख तक पहुंच गई है जो पहले की स्थिति से विपरीत हो है,जब कार्यरत कर्मचारियों की संख्या लगभग 55-60 लाख और पेंशनभोगियों की संख्या लगभग 50 लाख थी। उन्होंने कहा कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा और बेहतर स्वास्थ्य स्थितियों ने राष्ट्र निर्माण के लिए वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव, विशेषज्ञता और क्षमता का उपयोग करने का एक नया अवसर पैदा किया है। कई कर्मचारी 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं जब वे अभी भी अपने स्वास्थ्य, अनुभव और पेशेवर क्षमताओं के चरम पर होते हैं।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के संदर्भ में, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि बुजुर्ग नागरिकों को अपने आराम, स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करके राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए, जिससे वे रचनात्मक राष्ट्रीय प्रयासों में अपनी क्षमता का योगदान कर सकें। उन्होंने भारत की विकास यात्रा में भागीदार के रूप में युवा और पुरानी पीढ़ी के बीच स्वस्थ तालमेल बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र के विकास का पता लगाते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि बुजुर्ग पेंशनभोगियों के सामने आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए चेहरा प्रमाणीकरण तकनीक शुरू करने से पहले सरकार ने शुरुआत में पारंपरिक जीवन प्रमाणपत्र पर भरोसा किया, उसके बाद उंगलियों के निशान के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण किया। उन्होंने कहा कि चेहरा पहचान तकनीक एक सुविधाजनक और सुलभ समाधान के रूप में उभरी है जो पेंशनभोगियों को बैंकों या कार्यालयों में जाने की आवश्यकता के बिना मोबाइल फोन के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाने में सक्षम बनाती है। डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि पिछले साल बनाए गए 1.92 करोड़ डिजिटल जीवन प्रमाणपत्रों में से लगभग 1.17 करोड़ चेहरे के प्रमाणीकरण के माध्यम से थे जो पेंशनभोगियों के बीच इस तकनीक के लिए बढ़ती प्राथमिकता को दर्शाता है।

मेरा युवा भारत: 100-सप्ताह के नशामुक्ति अभियान के तहत देशव्यापी दीपोत्सव और यूथ पार्लियामेंट आयोजित

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

अभियान के आठवें सप्ताह में 30 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 1.19 लाख से अधिक युवाओं और नागरिकों की भागीदारी



युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' 100-सप्ताह संकल्प अभियान के आठवें सप्ताह के दौरान 6 और 7 नवंबर, 2026 को देशव्यापी स्तर पर 'नशा मुक्त युवा दीपोत्सव - एक दीया संकल्प का' और नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा पर परिचर्चा' कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन दोनों पहलों के माध्यम से दीपावली के उत्सव को नशामुक्ति के प्रति जागरूकता और जमीनी स्तर पर संवाद से जोड़ा गया। इन कार्यक्रमों में 30 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 1.19 लाख से अधिक युवाओं एवं नागरिकों ने भाग लिया तथा नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए संकल्प लिया।

'नशा मुक्त युवा दीपोत्सव - एक दीया संकल्प का'

इस पहल के अंतर्गत कुल 435 कार्यक्रम और 568 गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 1,10,101 लोगों ने भाग लिया। इन गतिविधियों में रंगोली बनाना, दीप प्रज्ज्वलन, मिठाई वितरण, जागरूकता कार्यक्रम और मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों का सम्मान शामिल था। ब्रह्माकुमारीज, ईपीएसआई और हार्टफुलनेस सहित सहयोगी संगठनों ने भी इन आयोजनों में सहभागिता की।

मेरा युवा भारत ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में स्वयंसेवकों के साथ दीपोत्सव मनाया, बांदा स्थित वृद्धाश्रम में मिठाइयों और फलों का वितरण किया तथा रामपुर में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया। छत्तीसगढ़ के मुंगेली और धमतरी में दीपोत्सव एवं रंगोली कार्यक्रम आयोजित किए गए। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में भी इस उत्सव का आयोजन किया गया और वृद्धाश्रम में मिठाई बांटी गई। इसी प्रकार महाराष्ट्र के यवतमाल, पुडुचेरी के यानम तथा जम्मू-कश्मीर में भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

'नशा मुक्त युवा पर परिचर्चा' के माध्यम से नेबरहुड युवा पार्लियामेंट का आयोजन

नेबरहुड युवा पार्लियामेंट के माध्यम से ब्लॉक स्तर पर आयोजित 'नशा मुक्त युवा पर परिचर्चा' पहल के अंतर्गत 85 कार्यक्रम और 298 गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 9,526 लोगों ने भाग लिया। इन परिचर्चाओं में मादक पदार्थों के सेवन, इससे जुड़ी चुनौतियों तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

प्रत्येक नेबरहुड युवा पार्लियामेंट का उद्देश्य हर ब्लॉक कम से कम 80 युवाओं को चार संरचित सत्रों के माध्यम से जोड़ना था। इन सत्रों में मेरा युवा भारत पोर्टल के बारे में जानकारी, 'मादक पदार्थों के सेवन को समझना: भारत के युवाओं के समक्ष चुनौतियां', 'जागरूकता से कार्रवाई तक: नशामुक्त युवा के लिए उपाय' तथा 'बदलाव की कहानियां: नशामुक्त भारत की ओर यात्रा' शीर्षक से श्रव्य-दृश्य प्रस्तुति शामिल थी।

इन परिचर्चाओं के दौरान नारा लेखन, रंगोली बनाना, नुक्कड़ नाटक, संवादात्मक सत्र और नशामुक्ति की शपथ आदि गतिविधियां भी आयोजित की गईं। हरियाणा के फतेहाबाद जिले के भूना, महाराष्ट्र के लातूर, पूर्वी दिल्ली और छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ ब्लॉक में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' 100-सप्ताह संकल्प अभियान युवाओं की निरंतर भागीदारी और समुदाय आधारित प्रयासों के माध्यम से नशामुक्त भारत के निर्माण की दिशा में देशव्यापी मंच प्रदान कर रहा है।

अमृतसर: 14 पिस्तौलों के साथ अवैध हथियार नेटवर्क के 6 सदस्य गिरफ्तार

जालंधर ब्रीज (अमृतसर). पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने छह व्यक्तियों को 14 आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार करके अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले दो अलग-अलग नेटवर्कों का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बॉबी सिंह और रविंदर सिंह उर्फ मन्ना, दोनों निवासी गांव तलवंडी शोभा सिंह, तरनतारन; गुरप्रीत सिंह उर्फ प्रीत निवासी गांव खोआला तथा वर्तमान निवासी मैक्स सिटी, जंडपीर कॉलोनी, अमृतसर; कमल निवासी संधू कॉलोनी, अमृतसर; अजय सिंह उर्फ काका निवासी एसमा एस्टेट, अमृतसर और स्वर्ण सिंह निवासी सेक्टर-17, पंचकूला, हरियाणा के रूप में हुई है।

बरामद किए गए पिस्तौलों में एक .30 बोर टिसास जिगाना, एक .30 बोर जिगाना ईगल, एक .30 बोर (चीन निर्मित), दो एमएम पिस्तौल, सात .30 बोर पिस्तौल और दो .32 बोर पिस्तौल शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी कथित तौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विदेशों में बैठे हैंडलरों के संपर्क में थे, जिन्होंने ड्रोन



के जरिए अवैध हथियारों की खेप पहुंचाने में सहायता की थी। उन्होंने बताया कि आरोपी कथित तौर पर इन खेपों को प्राप्त करते थे और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों को हथियारों की आपूर्ति करते थे।

डीजीपी ने कहा कि अवैध हथियारों की आपूर्ति के बड़े नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए इस मामले के आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने और अन्य सहयोगियों की पहचान करने के उद्देश्य से आगे की जांच जारी है।

ऑपरेशन की जानकारी साझा करते हुए अमृतसर के पुलिस कमिश्नर (सीपी) हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि पहले ऑपरेशन में पुलिस टीमों ने पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए छह अवैध पिस्तौलों सहित पांच आरोपियों बॉबी सिंह, रविंदर सिंह उर्फ मन्ना, गुरप्रीत सिंह उर्फ प्रीत, कमल और अजय सिंह उर्फ काका को गिरफ्तार किया है।

सीपी ने बताया कि दूसरे ऑपरेशन में पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आठ अवैध पिस्तौलों सहित स्वर्ण सिंह को काबू किया है।

डॉ. पी. के. मिश्रा ने पीपीवीएफआरए के 22वें स्थापना दिवस और प्लांट जीनोम सेवियर पुरस्कार समारोह में भाग लिया

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली). प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने किसानों को भारत की कृषि जैव विविधता के संरक्षक और नवाचारी के रूप में मान्यता देने तथा उनके पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक अनुसंधान, बीज प्रणाली और बाजार के अवसरों से जोड़ने का आह्वान किया। पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण- पीपीवीएफआरए के 22वें स्थापना दिवस और प्लांट जीनोम सेवियर पुरस्कार समारोह में डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह अवसर पौधा किस्म और कृषक अधिकार अधिनियम, 2001 के 25 वर्ष पूरे होने का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध कृषि जैव विविधता जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, कीटों और बीमारियों का सामना करने में सक्षम फसलें विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इससे पारंपरिक ज्ञान, खाद्य संस्कृति और समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद मिलती है। उन्होंने भारत के 22 कृषि जैव विविधता वाले क्षेत्रों का उल्लेख किया। उन्होंने ओडिशा के कोरापुट का उदाहरण दिया, जिसे वर्ष 2012 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन- एफएओ ने विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली के रूप में मान्यता दी थी। यह समुदाय की भागीदारी से संरक्षण का एक उदाहरण है।



किसानों के अधिकारों के लिए भारत की विशिष्ट व्यवस्था का उल्लेख करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह अधिनियम पौधा प्रजनकों के अधिकारों और किसानों को पौधों की किस्मों के संरक्षक, खेती करने वाले तथा विकासकर्ता के रूप में मान्यता देने के बीच संतुलन स्थापित करता है। पीपीवीएफआरए के अंतर्गत पंजीकृत लगभग आधी किस्में किसानों की विकसित की हुई हैं। उन्होंने आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण करने वाले समुदायों को उचित लाभ सुनिश्चित करने में लाभ-साझाकरण प्रावधानों और राष्ट्रीय जीन कोष की भूमिका पर भी बल दिया।

भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि आईसीएआर-एनबीपीजीआर का राष्ट्रीय जीन बैंक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जीन बैंक है। राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली के अंतर्गत जलवायु अनुकूल फसलों की लगभग तीन हजार किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने विशिष्ट कृषि उत्पादों के लिए आर्थिक अवसर सृजित करने में भौगोलिक संकेतकों की क्षमता का भी उल्लेख किया।

डॉ. मिश्रा ने खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतरराष्ट्रीय संधि, वर्ष 2022 में नई दिल्ली में आयोजित शासी निकाय के सत्र और वर्ष 2023 में किसानों के अधिकारों पर आयोजित वैश्विक संगोष्ठी में भारत की भागीदारी का उल्लेख किया। उन्होंने ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों द्वारा अपनाई गई इंदौर घोषणा और बीज प्रणालियों में किसानों के अधिकारों पर वैश्विक मंच की स्थापना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कृषि विविधता का संरक्षण किसानों, वैज्ञानिकों, विश्वविद्यालयों, उद्योग जगत, सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी है।

अमृतसर में बड़ी कार्रवाई: आरपीजी और ड्रग्स के साथ 7 पकड़े गए, 3 नाबालिग शामिल

जालंधर ब्रीज (अमृतसर). पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त अभियान में सात व्यक्तियों, जिनमें तीन नाबालिग भी शामिल हैं, को एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) - 22 नाटो एंटी-टैंक मिसाइल लॉन्चर, दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, 106 जिंदा कारतूस, 7.9 किलोग्राम हेरोइन, 5.1 किलोग्राम अफीम और 2.3 किलोग्राम 'आईसीई' (मेथामफेटामाइन) समेत गिरफ्तार कर अवैध हथियार और नशा तस्करी करने वाले कई नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरकिरपाल सिंह उर्फ गुरपाल (20) निवासी गांव चीचा; लवप्रीत सिंह उर्फ नवप्रीत सिंह उर्फ नव (25) निवासी गांव धारीवाल, लोपोके; बलकार सिंह (41) निवासी कोटली दुसांधी; सुखजीत सिंह (19) निवासी अजनाला और तीन नाबालिगों के रूप में हुई है। हथियारों, गोला-बारूद और नशीले पदार्थों की खेप बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने आरोपियों के कब्जे से एक ड्रोन, एक जीपीएस ट्रैकिंग उपकरण और पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश-स्थित संचालकों के संपर्क में थे, जो



अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप आपराधिक तत्वों के बीच वितरित करवाते थे। उन्होंने बताया कि इस नेटवर्क में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान करने और इसकी आगे-पीछे की कड़ियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

ऑपरेशन का विवरण साझा करते हुए पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बॉर्डर रेंज गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पहले ऑपरेशन में अमृतसर ग्रामीण और केंद्रीय एजेंसियों की संयुक्त टीम ने 22 नाटो आरपीजी एंटी-टैंक मिसाइल लॉन्चर समेत गुरकिरपाल सिंह उर्फ गुरपाल और उसके नाबालिग साथी को गिरफ्तार किया है।

दूसरे ऑपरेशन के बारे में उन्होंने बताया कि थाना लोपोके की टीमों ने बीएसएफ के साथ मिलकर बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) उत्तर धारीवाल क्षेत्र में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया और दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, दो मैगजीन और गोला-बारूद समेत लवप्रीत सिंह उर्फ नवप्रीत को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी के दो अन्य साथियों की भी पहचान कर ली गई है और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

डीआईजी जालंधर रेंज की ओर से आगामी चुनावों के मद्देनजर चौकसी और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश

सीनियर पुलिस अधिकारियों और हिमाचल प्रदेश के होशियारपुर से सटे जिलों के पुलिस अधिकारियों के साथ की मीटिंग

दोनों राज्यों के सीमावर्ती जिलों की पुलिस के आपसी तालमेल और सहयोग की जरूरत पर जोर

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर



आगामी विधानसभा चुनावों और सुरक्षा प्रबंधों के मद्देनजर जालंधर रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीआईजी) नवीन सिंगला ने आज यहां रेंज के सीनियर पुलिस अधिकारियों और हिमाचल प्रदेश के होशियारपुर से सटे जिलों के पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग करते हुए आने वाले दिनों में चौकसी और सुरक्षा को और बढ़ाने के निर्देश दिए। स्थानीय पुलिस लाइन में होशियारपुर जिले से सटे हिमाचल प्रदेश के जिलों के सीनियर पुलिस अधिकारियों और रेंज के अधिकारियों के साथ तालमेल मीटिंग के दौरान डी.आई.जी. नवीन सिंगला ने दोनों राज्यों के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा प्रबंध और पुख्ता करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इंटर स्टेट नाकों पर पहले से अधिक चौकसी और नफरी को और बढ़ाया जाए ताकि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा सके। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के होशियारपुर से सटे जिलों के पुलिस अधिकारियों का होशियारपुर पुलिस के साथ लगातार तालमेल होना चाहिए जिससे तुरंत और समय पर अहम जानकारियां साझा की जा सकें।

डी.आई.जी. नवीन सिंगला ने पुलिस अधिकारियों को पंजाब और हिमाचल प्रदेश से सटे इंटर स्टेट नाकों की नियमित चेकिंग करके जरूरी सुरक्षा इंतजाम अमल में लाने की भी हिदायत की और इन नाकों पर सी.सी.टी.वी. कैमरों की सुचारू व्यवस्था के निर्देश दिए जिससे किसी भी तरह की गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके।

दोनों राज्यों में आवाजाही के दौरान समय-समय पर चेकिंग की जरूरत पर जोर देते हुए डी.आई.जी. नवीन सिंगला ने दोनों पक्षों के पुलिस अधिकारियों को नाकों का साझे तौर पर दौरा करने और आने वाले समय में सुरक्षा संबंधी जरूरी हिदायतें जारी करने के लिए भी कहा। उन्होंने पड़ोसी राज्य के जिलों के पुलिस अधिकारियों को आगामी चुनावों के मद्देनजर लगातार संपर्क में रहने की ताकीद की ताकि गैर-सामाजिक गतिविधियों में शामिल तत्वों के खिलाफ समय पर ठोस कार्रवाई की जा सके।

इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन, एस.एस.पी. संदीप कुमार मलिक, कपूरथला के एस.एस.पी. गौरव तूरा, जालंधर देहाती के एस.एस.पी. हरविंदर सिंह विर्क, पड़ोसी राज्य के सीमावर्ती जिलों के सीनियर पुलिस अधिकारियों के अलावा जिला होशियारपुर के विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2027: पंजाब में मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित : अनिंदिता मित्रा

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सौंपी गई प्रारूप मतदाता सूची

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़



भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार आज पंजाब राज्य के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2027 के तहत प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 12 नवंबर, 2026 से 11 दिसंबर, 2026 तक जारी रहेगी। दावों और आपत्तियों का निपटारा 28 दिसंबर, 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा तथा अंतिम मतदाता सूची 4 जनवरी, 2027 को प्रकाशित की जाएगी। पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत आज पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अनिंदिता मित्रा, आईएएस की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रतिनिधियों को एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची की प्रतियां सौंपीं तथा पुनरीक्षण अभियान के प्रमुख प्रावधानों और निर्धारित समय-सारणी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रतिनिधियों को विभिन्न निर्वाचन सेवाओं के लिए निर्धारित प्रपत्रों के बारे में भी अवगत करवाया गया। इनमें मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने के लिए फॉर्म-6, प्रवासी मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6ए, मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 तथा व्यक्तिगत विवरणों में संशोधन या निवास स्थान बदलने के लिए फॉर्म-8 शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ऐसे युवा नागरिक, जो 1 जनवरी, 2027 को या उससे पहले 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, मतदाता के रूप में पंजीकरण करवाने के पात्र हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता प्रकाशित एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची में अपने नाम और अन्य विवरणों की पुष्टि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब की आधिकारिक वेबसाइट www.ceopunjab.gov.in तथा भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल voters.eci.gov.in के माध्यम से कर सकते हैं।

स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हरसंभव सहायता सुनिश्चित की जाए : मोहिंदर भगत



चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब के रक्षा सेवाएं कल्याण, स्वतंत्रता सेनानी एवं बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने आज स्वतंत्रता सेनानी कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ विशेष बैठक कर स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मामलों की समीक्षा की। बैठक के दौरान स्वतंत्रता सेनानी कल्याण विभाग की विशेष मुख्य सचिव राजी पी. श्रीवास्तव ने मंत्री को स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों की भलाई से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के कल्याण और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा उनसे संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री ने अधिकारियों को बैठक के दौरान विचार-विमर्श किए गए मामलों पर समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों को सरकार की ओर से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं एवं लाभों का फायदा उठाने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित विशाल नगर कीर्तन 21 को



जालंधर (जालंधर ब्रीज). श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित 21 नवंबर को शहर में विशाल नगर कीर्तन सजाया जा रहा है, जिसकी शुरुआत गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा मोहल्ला गोबिंदगढ़ से होगी। इस पवित्र समागम को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है। इस संबंध में जिला प्रशासनिक कॉम्प्लेक्स में अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) अमरिंदर कौर की उपस्थिति में चेयरमैन पंजाब राज्य सफाई कर्मचारी आयोग चंदन ग्रेवाल, मेयर विनीत धीर और सीनियर 'आप' नेता नितिन कोहली द्वारा बैठक की गई। गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों के प्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ की गई बैठक के दौरान नगर कीर्तन के रूट और संगत की सुविधा के लिए किए जाने वाले प्रबंधों का विस्तारपूर्वक जायजा लिया गया।

बैठक के दौरान पुलिस विभाग के अधिकारियों को पुख्ता सुरक्षा प्रबंध, पार्किंग और सुचारू ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर निगम के अधिकारियों को नगर कीर्तन के पूरे रूट पर साफ-सफाई, प्रमुख स्थानों और चौकों की सजावट तथा रोशनी के उपयुक्त प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। इसके अलावा पीने का पानी, अस्थायी टॉयलेट, निर्बाध बिजली आपूर्ति, मेडिकल टीमों की तैनाती सहित अन्य आवश्यक प्रबंध समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। संबंधित अधिकारियों को नगर कीर्तन वाले रूट का दौरा करके आवश्यक प्रबंध पहले ही पूरा करने के निर्देश दिए गए, ताकि नगर कीर्तन में शामिल होने वाली संगत को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आपदा प्रबंधन में जागरूकता, चेतावनी, तैयारी और स्वास्थ्य सेवाओं की अहम भूमिका : डॉ. संजय



देहरादून (जालंधर ब्रीज). अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधीर शैली द्वारा लिखित महत्वपूर्ण पुस्तक 'केदारनाथ: ए डॉक्टर्स डायरी' का विमोचन 12 नवंबर 2026 को देहरादून स्थित दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर में किया गया। केदारनाथ आपदा केवल उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के इतिहास की एक बड़ी मानवीय त्रासदी है। इससे सीख लेते हुए भविष्य में ऐसी आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए वैज्ञानिक योजना, समय पर मौसम संबंधी चेतावनी, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और प्रभावी जनभागीदारी को प्राथमिकता देनी होगी। यह विचार पद्मश्री सम्मानित एवं अध्यक्ष, एम्स गुवाहाटी प्रो. डॉ. बी. के. एस. संजय ने देहरादून में डॉ. सुधीर शैली की पुस्तक 'केदारनाथ: ए डॉक्टर्स डायरी' के विमोचन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान मौसम की स्थिति की नियमित एवं स्थान-विशिष्ट जानकारी मौसम विभाग के समन्वय से टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया के माध्यम से तीर्थयात्रियों, स्थानीय निवासियों तथा संबंधित एजेंसियों तक पहुँचनी चाहिए। उन्होंने यात्रा मार्गों की भौगोलिक क्षमता के अनुसार प्रतिदिन यात्रियों की संख्या निर्धारित करने, ऑनलाइन पंजीकरण को प्रभावी नियमन से जोड़ने तथा समयबद्ध यातायात व्यवस्था लागू करने पर बल दिया।

रामपुर बुशहर में लवी अंतरराष्ट्रीय मेले में आधार जागरूकता एवं आउटरीच गतिविधियां आयोजित



रामपुर बुशहर (जालंधर ब्रीज). भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने राज्य के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच जन जागरूकता बढ़ाने और आधार संबंधी सेवाओं तक पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से 11 नवंबर 2026 को हिमाचल प्रदेश के रामपुर बुशहर में प्रतिष्ठित लवी अंतरराष्ट्रीय मेले में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिष्ठित लवी अंतरराष्ट्रीय मेले का उद्घाटन हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल कविंदर गुप्ता जी द्वारा किया गया था। यह मेला, जो हिमाचल प्रदेश और पड़ोसी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित करता है, ने यूआईडीएआई को नागरिकों के साथ सीधे जुड़ने और विभिन्न आधार संबंधी पहलों और सेवाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

आउटरीच कार्यक्रम के दौरान, यूआईडीएआई टीम ने नए आधार नामांकन और अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) के बारे में जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया। आगंतुकों को आधार नामांकन के महत्व, समय पर बायोमेट्रिक अपडेट की आवश्यकता, विशेष रूप से निर्धारित आयु मील के पत्थर प्राप्त करने पर बच्चों के लिए, और आधार संबंधी सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी गई।

जालंधर में मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन

11 दिसंबर तक दावे और आपत्तियाँ दी जा सकती है, मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी को



जालंधर (जालंधर ब्रीज). भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार विशेष सारांश संशोधन (एस.एस.आर.)-2027 के तहत योग्यता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर जालंधर जिले की फोटो मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन आज कर दिया गया है। इस मौके पर विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल)-कम अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी अमनिंदर कौर द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची की प्रतियाँ और बिना फोटो मतदाता सूची की सी.डी. सौंपी गई।

इस मौके पर अपर डिप्टी कमिश्नर द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूचियों के विशेष सारांश संशोधन के शेड्यूल के बारे में आवश्यक जानकारी साझा की गई। उन्होंने बताया कि आज मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत 11 दिसंबर 2026 तक मतदाता सूची संबंधी दावे और आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी, जिनका निपटारा 28 दिसंबर तक किया जाएगा और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा।

पीसीएस अधिकारी अमनदीप कौर घुम्मण ने संभाला एडीसी दसूहा के रूप में पद

दसूहा/होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की ओर से दसूहा में लोक मिलनी के दौरान लोगों से किए गए वादे को पूरा करते हुए पंजाब सरकार की ओर से दसूहा में ए.डी.सी. की तैनाती कर दी गई है, जिसके तहत 2016 बैच के पी.सी.एस. अधिकारी अमनदीप कौर घुम्मण ने अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर, दसूहा के रूप में पद संभाल लिया है।



पद संभालने के उपरांत अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अमनदीप कौर घुम्मण ने बताया कि दसूहा, मुकेरियां, तलवाड़ा, हाजीपुर और टांडा आदि क्षेत्रों के निवासियों को प्रशासनिक सेवाओं के लिए अब होशियारपुर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोगों को रोजाना जरूरी प्रशासनिक सेवाएं, जिनमें विभिन्न प्रकार के सर्टिफिकेट, पेंशन आदि के मामले, फसलों की खरीद, मंडियों में जरूरी प्रबंध और लोक मसले शामिल हैं, दसूहा में ही अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर के दफ्तर की ओर से मुहैया करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि आने वाले कुछ दिनों में अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर के दफ्तर का काम पूर्ण रूप से सुचारू तरीके से शुरू हो जाएगा, जिससे लोगों को बहुत सुविधा होगी।

बाजवा ने नवांशहर परियोजना पर मान सरकार को घेरा



चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को नवांशहर में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत मेडिकल कॉलेज विकसित करने के फैसले को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे निजी हितों के सामने सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे का विनाशकारी आत्मसमर्पण करार दिया। बाजवा ने कहा कि भगवंत मान सरकार ने पांच साल के भीतर पूरे पंजाब में 16 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की अपनी 2022 की बजट प्रतिबद्धता के साथ विश्वासघात किया है। अपना कार्यकाल पूरा होने के करीब होने के बावजूद, सरकारी चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने का अपना वादा पूरा करने के बजाय, सरकार अब सार्वजनिक अस्पताल के बुनियादी ढांचे को निजी ऑपरेटरों को सौंप रही है।

नवांशहर परियोजना पर विशेष आपत्ति जताते हुए बाजवा ने बताया कि पंजाब बुनियादी ढांचा विकास बोर्ड ने डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट और ट्रांसफर मॉडल के तहत इंडस सुपर स्पेशलिटी हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड को लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया है। उन्होंने इस समझौते की कथित वित्तीय शर्तों पर सवाल उठाया, जिसके तहत निजी कंपनी अस्पताल की 60 साल की लीज के लिए राज्य सरकार को सालाना मात्र 1.5 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी।

बाजवा ने कहा, "क्या मान सरकार करदाताओं के पैसे से बनी सार्वजनिक संपत्तियों का मूल्यांकन इसी तरह करती है? पंजाबियों की पीढ़ियों की सेवा करने के लिए बने एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संस्थान को मामूली वार्षिक भुगतान के बदले निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। यह सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को मुफ्त में लुटाने से कम नहीं है।"

टैंट पैगिंग लैंस मुकाबले में सुखप्रीत सिंह ने अपने घोड़े ग्लैडिएटर के साथ मारी बाजी



जालंधर (जालंधर ब्रीज). पंजाब सरकार के खेल एवं युवा सेवाएं विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से करवाई जा रही 'खेड़ां वतन पंजाब दीया-2026' के तहत स्थानीय पी.ए.पी. कैंपस में घुड़सवारी के मुकाबले करवाए जा रहे है, जो 13 नवंबर 2026 तक जारी रहेंगे। जिला खेल अधिकारी गुरप्रीत सिंह ने गुरुवार को हुए मुकाबलों के नतीजों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि टैंट पैगिंग प्लेट (उम्र वर्ग 31 से 40 साल) मुकाबले में रमन कुमार और बलकार सिंह (जालंधर) ने अपने घोड़ों शमशेर और नवाब के साथ पहला स्थान हासिल किया। जबकि जतिंदर सिंह और पटेल (जालंधर) ने अपने घोड़ों आफताब और मैजेस्टिक ब्यूटी के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह जगजीत सिंह और सलीम मुहम्मद (जालंधर) ने अपने घोड़ों सुल्तान और कमांडो के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

टैंट पैगिंग लैंस (उम्र वर्ग 17 से 21 साल) मुकाबले में सुखप्रीत सिंह (एस.ए.एस. नगर) ने अपने घोड़े ग्लैडिएटर के साथ पहला स्थान हासिल किया। इसी तरह अरशदीप सिंह (जालंधर) ने अपने घोड़े मोनाली के साथ दूसरा और सिमरनजीत सिंह (जालंधर) ने अपने घोड़े पन्ना के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। ड्रेसेज (उम्र वर्ग 14 से 17 साल) मुकाबले में इंदरदीप सिंह (जालंधर) अपने घोड़े बादल के साथ पहले स्थान पर रहे। जबकि हरलीन कौर (जालंधर) अपने घोड़े चांदनी के साथ दूसरे और दिव्यांश शर्मा (जालंधर) अपने घोड़े शेरशाह के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

शो जंपिंग सिक्स बार (उम्र वर्ग 21 से 30 साल) मुकाबले में सुखप्रीत सिंह (एस.ए.एस. नगर) ने अपने घोड़े मास्टर प्लान के साथ पहला स्थान हासिल किया। इसी तरह राज कुमार (जालंधर) ने अपने घोड़े चैंपियन के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। शो जंपिंग सिक्स बार (उम्र वर्ग 31 से 40 साल) मुकाबले में गुरतेरा सिंह (एस.ए.एस. नगर) ने अपने घोड़े मस्ताना के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। जबकि सुखपाल सिंह (जालंधर) अपने घोड़े शेरशाह के साथ दूसरे और प्रभजोत सिंह (जालंधर) अपने घोड़े बिग स्टार के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

जिला खेल अधिकारी ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि ऐसे खेल मुकाबले नौजवानों में खेलों के प्रति उत्साह पैदा करने के साथ-साथ उन्हें अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का मौका भी प्रदान करते हैं। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और भविष्य में और मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

आईसीसी टेस्ट रेंकिंग में 10वें स्थान पर फिसले शुभमन गिल



फोटो-बीसीसीआई

टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में पहले दो स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और जो रूट

स्पोर्ट्स डेस्क. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में विकेटकीपर ऋषभ पंत और कप्तान शुभमन गिल शीर्ष 10 में शामिल भारतीय बल्लेबाज हैं। पंत (713 रेटिंग अंक) आठवें और गिल (697) दसवें नंबर पर हैं। ये दोनों नवीनतम सूची में एक पायदान नीचे खिसके हैं। एक अन्य भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 13वें स्थान पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में पहले दो स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और जो रूट हैं। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड, दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा और स्टीव स्मिथ का नंबर आता है।

इस बीच अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह आईसीसी टेस्ट खिलाड़ियों की रैंकिंग की किसी भी श्रेणी में शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले अपने देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। रहमत ने शारजाह में अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच में 173 रन की शानदार पारी खेली थी जिससे वह टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में छह स्थान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। यह रहमत के करियर का पांचवां टेस्ट शतक था जिसके दम पर यह 33 वर्षीय खिलाड़ी गिल, दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस से ऊपर पहुंच गए हैं।

आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसन, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन शीर्ष पांच गेंदबाजों में शामिल हैं। टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में यानसन के बाद भारत के रविंद्र जडेजा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

वाशिंगटन सुंदर शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं। वह सातवें स्थान पर हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रही श्रृंखला के पहले दो मैचों के बाद वनडे रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर अक्षर पटेल वनडे गेंदबाजों की सूची में 23 पायदान ऊपर 21वें स्थान पर जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 11 पायदान ऊपर 31वें स्थान पर पहुंच गए हैं। एक अन्य भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ लंबी छलांग लगाकर 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह इससे पहले शीर्ष 100 में शामिल नहीं थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.